2019

Part–III

HINDI

(Honours)

PAPER—VII

Full Marks : 90

Time : 4 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

खण्ड–क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×15

(क) नाटक के तत्वों के आधार पर नाटक 'भारत दुर्दशा' की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'चन्द्रगुप्त' नाटक में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है। इस कथन पर विचार कीजिए।

(ग) मोहन राकेश के नाटक 'लहरों के राजहंस' के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(घ) 'मशीन' नाटक के उद्देश्य पर विचार कीजिए।

खण्ड-ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4×8

(क) महाराज! वेदान्त ने बड़ा ही उपकार किया। सब ब्रह्म हो गये। किसी की इति कर्तव्यता बाकी ही न रही। ज्ञानी बनकर ईश्वर से विमुख हुए, रूक्ष हुए, अभिमानी हुए और इसी से स्नेहशून्य हो गये। जब स्नेह ही नहीं, तब देशोद्धार का प्रयत्न कहाँ? बस, जयशंकर की।

(ख) मानव कब दानव से भी दुर्दान्त, पशु से भी बर्बर और पत्थर से भी कठोर, करूणा के लिए निरवकाश हृदयवाला हो जाएगा, नहीं जाना जा सकता। अतीत सुखों के लिए सोच क्यों, अनागत भविष्य के लिए भय क्यों और वर्तमान को मैं अपने अनुकूल बना ही लूँगा ; फिर चिंता किस बात की?

(ग) तो तुम भी कह रही हो कि मैं कोई दूसरा व्यक्ति हूँ। केवल इसलिए कि किसी ने हठ से मेरे केश काट दिये हैं? मुझे पहले से थोड़ा अपरूप कर दिया है? क्या इतने से ही व्यक्ति एक से दूसरा हो जाता है?

(घ) धर्म का विकास इसी लोक के बीच हमारे परस्पर व्यवहार के भीतर होता है। हमारे परस्पर व्यवहारों का प्रेरक हमारा रागात्मक या भावात्मक हृदय होता है। अत: हमारे जीवन की पूर्णता कर्म (धर्म), ज्ञान और भक्ति तीनों के समन्वय में है।

(ङ) कितनी ही ऐसी जातियाँ यहाँ आयीं हैं जिन्हें निश्चित रूप से किसी खास श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। फिर उत्तर-पश्चिम से नाना जातियाँ राजनीतिक और आर्थिक कारणों से आती रही हैं। उन सबके सम्मिलित प्रयत्न से वह महिमाशालिनी संस्कृति उत्पन्न हुई है जिसे हम भारतीय संस्कृति कहतें हैं।

(च) आने वाली पीढ़ी पिछली पीढ़ी की ममता की पीड़ा नहीं समझ पाती और पिछली पीढ़ी अपनी संतान के सम्भावित संकट की कल्पना मात्र से उद्विग्न हो जाती है। मन में यह प्रतीति हो नहीं होती कि अब संतान समर्थ है, बड़ा से बड़ा संकट झेल लेगी।

खण्ड-ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *पाँच* पर टिप्पणी लिखिए : 5×4

(क) रामचंद्र शुक्ल की निबंध-शैली

(ख) 'शिरीष के फूल' की मूल संवेदना

(ग) 'एकलव्य के नोट्स' का मुख्य प्रतिपाद्य

(घ) 'मेरे राम का मुकुट भींग रहा है' का उद्देश्य

(ङ) 'पतझर का एक पात' निबंध का मूल प्रतिपाद्य

(च) रेखाचित्र का उद्देश्य

(छ) हजारी प्रसाद द्विवेदी की सांस्कृतिक चेतना।

खण्ड-घ

4. निम्नलिखित में से किन्हीं *आठ* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8×1

(क) वैदिक हिंसा हिंसा न भवति नाटक के नाटककार का नाम लिखिए।

(ख) 'भारतेन्दु मंडल' के किन्हीं दो निबंधकारों के नाम लिखिए।

(ग) 'एक बूँद सहसा उछली' कृति किस विधा की रचना है।

(घ) 'कल्पलता' किस विधा की रचना है?

(ङ) 'आषाढ़ का एक दिन' के रचनाकार कौन हैं?

(च) अज्ञेय का पूरा नाम लिखिए।

(छ) 'शृंखला की कड़ियाँ' किसकी रचना है?

(ज) 'करूणा' किस विधा की रचना है?

(झ) 'जोंक' किसकी रचना है?

(ञ) 'कार्नेलिया' किस नाटक की पात्र है?